चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	2-4-25	9	7-8

हकृवि द्वारा कपास उत्पादन बढ़ाने व उन्नत तकनीकों की जानकारी हेतु प्रशिक्षण शिविर आयोजित

हिसार, 1 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षण शिविर में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों में रखी हुई लकड़ियों/बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवेश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बीटी नरमा के लिए शुद्ध नाइट्रोजन, शुद्ध फास्फोरस, शुद्ध पोटाश व जिंक सल्फेट क्रमश: 70:24 24:10 किलोग्राम प्रति एकड़ की सिफारिश की जाती है। उर्वरक की मात्रा मिट्टी की जांच के आधार पर तय की जानी चाहिए। पांच-छ: साल में एक बार 5-7 टन गोबर की खाद डालनी चाहिए। कपास अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की मुख्य विशेषताओं एवं किस्मों के बारे में अवगत करवाया। कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़ ने कपास में लगने वाले कीट व उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. संदीप कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया व डॉ. शुभम लांबा ने मंच का संचालन किया। इसके अतिरिक्त शिविर में किसानों को विश्वविद्यालय की तरफ से उत्पादक सामग्री भी प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2-4-24	2	1-2

कृषि में उन्नत तकनीकों की जानकारी के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित

डा. जीतराम शर्मा प्रशिक्षण शिविर में किसानों को संबोधित करते हुए।

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षण शिविर में अनुसंधान निदेशक डा. जीतराम शर्मा ने किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों मे रखी हुई लकड़ियों-बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए।

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डा. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। कपास अनुभाग के प्रभारी डा. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बीटी नरमा के लिए शुद्ध नाइट्रोजन, शुद्ध फास्फोरस, शुद्ध पोटाश व जिंक सल्फेट क्रमशः 70:24 24:10 किलोग्राम प्रति एकड़ की सिफारिश की जाती है।

उर्वरक की मात्रा मिट्टी की जांच के आधार पर तय की जानी चाहिए। पांच-छह साल में एक बार 5-7 टन गोबर की खाद डालनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	2.4.24	3	3-4

हकृवि में कपास उत्पादन बढ़ाने को प्रशिक्षण दिया

हिसार। एचएयू द्वारा किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षण शिविर में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों में रखी हुई लकड़ियों/बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बीटी नरमा के लिए शुद्ध नाइट्रोजन, शुद्ध फास्फोरस, शुद्ध पोटाश व जिंक सल्फेट क्रमश: 70:24 24:10 किलोग्राम प्रति एकड़ की सिफारिश की जाती है। उर्वरक की मात्रा मिट्टी की जांच के आधार पर तय की जानी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.4.24	2	3-5

किसान खेतों में रखी कपास की लकड़ियां हटा दें

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों में रखी कपास की लकड़ियों यानि बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए।

एचएयू में गुलाबी सुंडी से नरमा को बचाने के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाया गया

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान की ओर से समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया। बीटी नरमा के लिए शुद्ध नाइट्रोजन, शुद्ध फास्फोरस, शुद्ध पोटाश व जिंक सल्फेट क्रमशः 70:24, 24:10 किलोग्राम प्रति एकड़ की सिफारिश की जाती है। पांच-छह साल में एक बार 5-7 टन गोबर की खाद डालनी चाहिए।

कपास अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की मुख्य विशेषताओं एवं किस्मों के बारे में अवगत करवाया। इस मौके पर कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़, डॉ. संदीप कुमार, डॉ. शुभम लांबा आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2.4.25	4	3-5

कपास उत्पादन बढ़ाने तथा उन्नत तकनीकों की जानकारी के लिए प्रशिक्षण शिविर लगाया

हिसार, 1 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए।

प्रशिक्षण शिविर में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों मे रखी हुई लकड़ियों/बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया। कपास अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की मुख्य विशेषताओं एवं किस्मों के बारे में अवगत करवाया।

कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़ ने कपास में लगने वाले कीट व उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी।

प्रशिक्षण शिविर में किसानों को संबोधित करते डॉ. जीतराम शर्मा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	2.5.24	12	3-5

कपास उत्पादन बढ़ाने व उन्नत तकनीकों की जानकारी देने के लिए लगाए प्रशिक्षण शिविर

- कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को दी फसलों की विभिन्न बीमारियों बारे जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। डॉ. जीतराम शर्मा प्रशिक्षण शिविर में किसानों को संबोधित करते हुए।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षण शिविर में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने सोमवार को किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों मे रखी हुई लकड़ियों/बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया।

कपास अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की मुख्य विशेषताओं एवं किस्मों के बारे में अवगत करवाया। कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़ ने कपास में लगने वाले कीट व उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. संदीप कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया व डॉ. शुभम लांबा ने मंच का संचालन किया। इसके अतिरिक्त शिविर में किसानों को विश्वविद्यालय की तरफ से उत्पादक सामग्री भी प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	01.04.2024	--	--

कपास उत्पादन बढ़ाने तथा उन्नत तकनीकों की जानकारी हेतु प्रशिक्षण शिविर आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षण शिविर में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों मे रखी हुई लकड़ियों/बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया।

उन्होंने बताया कि बीटी नरमा के लिए शुद्ध नाइट्रोजन, शुद्ध फास्फोरस, शुद्ध पोटाश व जिंक सल्फेट क्रमशः 70:24 24:10 किलोग्राम प्रति एकड़ की सिफारिश की जाती है। कपास अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की मुख्य विशेषताओं एवं किस्मों के बारे में अवगत करवाया। कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़ ने कपास में लगने वाले कीट व उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त शिविर में किसानों को विश्वविद्यालय की तरफ से उत्पादक सामग्री भी प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	01.04.2024	--	--

हकृवि ने कपास उत्पादन बढ़ाने तथा उन्नत तकनीकों की जानकारी हेतु प्रशिक्षण शिविर का किया आयोजन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षण शिविर में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों मे रखी हुई लकड़ियों/ बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बीटी नरमा के लिए शुद्ध नाइट्रोजन, शुद्ध फास्फोरस, शुद्ध पोटाश व जिंक सल्फेट क्रमशः 70:24 24:10 किलोग्राम प्रति एकड़ की सिफारिश की जाती है। उर्वरक की मात्रा मिट्टी की जांच के आधार पर तय की जानी चाहिए। पांच-छः साल में एक बार 5-7 टन गोबर की खाद डालनी चाहिए। कपास अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की मुख्य विशेषताओं एवं किस्मों के बारे में अवगत करवाया। कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़ ने कपास में लगने वाले कीट व उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. संदीप कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया व डॉ. शुभम लांबा ने मंच का संचालन किया। इसके अतिरिक्त शिविर में किसानों को विश्वविद्यालय की तरफ से उत्पादक सामग्री भी प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	01.04.2024	--	--

हकृवि द्वारा कपास उत्पादन बढ़ाने तथा उन्नत तकनीकों की जानकारी हेतु प्रशिक्षण शिविर आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा किसानों को कपास का उत्पादन बढ़ाने, उन्नत किस्म के बीजों एवं तकनीकी जानकारी देने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए। प्रशिक्षण शिविर में अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने किसानों को बताया कि गुलाबी सुंडी का प्रकोप खेतों मे रखी हुई लकड़ियों/बनछटियों के कारण फैलता है। इसलिए इनका उचित प्रबंधन किया जाए। सायना नेहवाल

कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक प्रशिक्षण डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. करमल सिंह ने प्रदेश में कपास उत्पादन के लिए आवश्यक सस्य क्रियाओं से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि बीटी नरमा के लिए शुद्ध नाइट्रोजन, शुद्ध फास्फोरस, शुद्ध पोटाश व जिंक सल्फेट क्रमशः 70:24 24:10 किलोग्राम प्रति एकड़ की सिफारिश की जाती है। उर्वरक की मात्रा मिट्टी की जांच के आधार पर तय की जानी चाहिए। पांच-छः साल में एक बार 5-7 टन गोबर की खाद डालनी चाहिए। कपास अनुभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सोमवीर ने कपास की मुख्य विशेषताओं एवं किस्मों के बारे में अवगत करवाया। कीट वैज्ञानिक डॉ. अनिल जाखड़ ने कपास में लगने वाले कीट व उनके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। डॉ. संदीप कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया व डॉ. शुभम लांबा ने मंच का संचालन किया। इसके अतिरिक्त शिविर में किसानों को विश्वविद्यालय की तरफ से उत्पादक सामग्री भी प्रदान की गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	2-4-15	2	3

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण कल से

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 3 से 5 अप्रैल तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष भाग ले सकेंगे।

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम इत्यादि पर संपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाइसेंसिंग, मशरूम उत्पादन में मशीनीकरण, मशरूम का स्पान-बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	2-4-25	9	6-7

एच.यू. में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण कल से

हिसार, 1 अप्रैल (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 3 से 5 अप्रैल तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष भाग ले सकेंगे। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम इत्यादि पर संपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाइसेंसिंग, मशरूम उत्पादन में मशीनीकरण, मशरूम का स्पान/बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याएं और उनके निदान पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा। प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इच्छुक युवक व युवतियां पंजीकरण के लिए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 3 अप्रैल को ही सुबह 9 बजे आकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	2.4.24	4	6

एचएयू में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण कल से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 3 से 5 अप्रैल तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। प्रशिक्षण में देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष भाग ले सकेंगे।

सुबह 9 बजे आकर अपना पंजीकरण करवाएं

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाइसेंसिंग, मशरूम उत्पादन में मशीनीकरण, मशरूम का स्पान/बीज तैयार करना सिखाया जाएगा। यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा।

प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। इच्छुक युवक व युवतियां पंजीकरण के लिए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 3 अप्रैल को ही सुबह 9 बजे आकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	2.12.25	5	5-7

मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण कल से

हिसार, 1 अप्रैल (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 3 से 5 अप्रैल तक 3 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष भाग ले सकेंगे।

संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम इत्यादि पर संपूर्ण जानकारी दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	2.4.24	12	7-8

एचएयू में तीन दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण 3 से

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

- देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष ले सकेंगे भाग

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक विषय पर 3 से 5 अप्रैल तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में देश व प्रदेश से किसी भी वर्ग, आयु के इच्छुक महिला व पुरुष भाग ले सकेंगे। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि इस प्रशिक्षण में सफेद बटन मशरूम, ओयस्टर मशरूम, दुधिया मशरूम, शीटाके मशरूम, कीड़ाजड़ी मशरूम इत्यादि पर संपूर्ण जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा मशरूम के मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार करना, मार्केटिंग एवं लाइसेंसिंग, मशरूम उत्पादन में मशीनीकरण, मशरूम का स्पान/बीज तैयार करना, मौसमी और वातानुकूलित नियंत्रण में विभिन्न मशरूम को उगाने, मशरूम की जैविक और अजैविक समस्याएं और उनके निदान पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। यह प्रशिक्षण निशुल्क होगा। प्रतिभागियों को संस्थान की तरफ से प्रमाण-पत्र दिए जाएंगे। इच्छुक युवक व युवतियां पंजीकरण के लिए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 3 अप्रैल को ही सुबह 9 बजे आकर अपना पंजीकरण करवाकर प्रशिक्षण में भाग ले सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	01.04.2024	--	--

मत्स्य पालन में स्वरोजगार की अपार संभावनाएं : प्रो. बी. आर. काम्बोज

मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 1 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मत्स्य विज्ञान महाविद्यालय में मत्स्य पालन के प्रति जागरूक करने व बढ़ावा देने के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें विभिन्न कालेज व स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने की। प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि विश्वविद्यालय के उन्नत अनुसंधानों के माध्यम से प्रदेश के मत्स्य पालन क्षेत्र को बढ़ाने में उपरोक्त महाविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। मत्स्य पालन में स्वरोजगार की भी अपार संभावनाएं है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे नीली क्रान्ति को बढ़ावा देने के लिए कारगर कदम उठाएं। मत्स्य पालन के व्यवसाय में बढ़ोतरी करने के लिए भी विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे विद्यार्थियों में नेतृत्व गुणों को विकसित करें ताकि विद्यार्थी राष्ट्र के नव निर्माण में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने छात्रों एवं शिक्षकों को नियमित बैठकें आयोजित करने का भी सुझाव दिया। अधिष्ठाता डॉ. नीरज कुमार ने सभी का स्वागत करते हुए महाविद्यालय की प्रगति एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला जबकि डॉ. रचना गुलाटी ने समारोह में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन अंकित व अजय ने किया। इस अवसर पर उपरोक्त महाविद्यालय के सभी शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। विभिन्न स्कूलों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की रंगोली, पोस्टर, स्लोगन, वाद-विवाद, एक्वास्केपिंग व मत्स्य पालन क्षेत्र में उद्यमिता से संबंधित अनेक प्रतियोगिताएं भी करवाई गई।

प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार है

इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप प्रतियोगिता में उमेश ने प्रथम, कार्तिक ने द्वितीय तथा सूरज ने तृतीय स्थान, एक्वास्केपिंग में पूर्णिमा व आरजु ने प्रथम, रमन, कार्तिक व अमित ने द्वितीय जबकि अंकित व विजय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद में निशा ने पहला, आशिका व उमेश ने दूसरा जबकि विधि और शाइना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता में कैंपस स्कूल की आरोही प्रथम जबकि कृष्णा दूसरे स्थान पर रहे। रंगोली प्रतियोगिता में मनोज व युक्ति प्रथम, दिव्या, खुशी, मुस्कान व प्रमोद द्वितीय जबकि सुनील, दिक्षा, पूजा व निकीता ने तृतीय स्थान पर रहे। निकीता, किर्ती, दीपक व महक ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता में कैंपस स्कूल की कृति ने पहला, विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित राजकीय माध्यमिक विद्यालय की रेणुका, अंजली, भानू, सुशील, नंदिनी व प्रिया ने दूसरा जबकि कैंपस स्कूल की तनीक्षा व नितीका ने तीसरा व नंदिनी और हिमांशी ने सांत्वना पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा नृत्य एवं गायन सहित अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए जिसमें मानसी, खुशी, दीप्ति, मोहित, अमित, साहिल, सुहानी व जतिन ने भाग लिया।